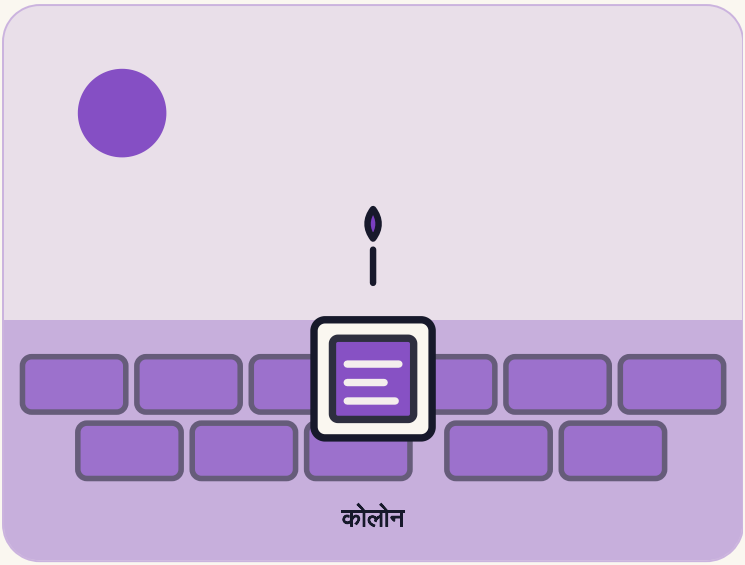

जर्मनी

वे पत्थर जो आपको रोक लेते हैं

कलाकार गुंटर डेमनिग ने नाज़ी पीड़ितों के नाम बताने के लिए फ़ुटपाथों में छोटे पीतल के पत्थर लगाए। अब 100,000 से ज़्यादा हैं।

कहाँ कोलोन

कौन गुंटर डेमनिग, एक जर्मन कलाकार, और वे बहुत से लोग जो नाज़ी पीड़ितों के नाम दर्ज करने में उनकी मदद करते हैं

कब 1990 से 2023

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

कहानी

1990 में जर्मन कलाकार गुंटर डेमनिग पेंट का एक पहिया लेकर कोलोन में चले। वे उस रास्ते को चिह्नित कर रहे थे जिस पर नाज़ियों ने मई 1940 में 1,000 सिंटी और रोमा लोगों को ले जाया था। पेंट फीका पड़ गया। तब उन्होंने उसकी जगह ज़मीन में जड़े पीतल के अक्षर लगाने शुरू किए।

काम करते समय एक बुज़ुर्ग महिला ने इस परियोजना की सराहना की। पर उन्हें शक था कि उनके मोहल्ले में कभी कोई सिंटी या रोमा रहे भी थे। डेमनिग ने देखा कि कितनी कहानियाँ भुला दी गई हैं। वे उन्हें उन गलियों में वापस लाना चाहते थे जहाँ लोग रहते थे।

> कोई व्यक्ति तभी भुलाया जाता है जब उसका नाम याद नहीं रखा जाता।
>
> तल्मूद का एक अंश, जिसे गुंटर डेमनिग उद्धृत करना पसंद करते हैं

फ़ुटपाथ में एक पत्थर

उनका विचार छोटा था। कंक्रीट के एक घनाकार टुकड़े पर दस सेंटीमीटर चौड़ी पीतल की एक पट्टी, जो फ़ुटपाथ में जड़ी होती है। इसे उस आख़िरी घर के बाहर लगाया जाता है जिसे किसी ने अपनी मर्ज़ी से चुना था, नाज़ियों द्वारा उन्हें सताए जाने से पहले। इस पर नाम और तारीख़ें होती हैं, और आमतौर पर शब्द “यहाँ रहते थे”। उन्होंने इसे “स्टोल्परश्टाइन” कहा, जिसका मतलब है ठोकर का पत्थर।

पहला पत्थर 16 दिसंबर 1992 को कोलोन के सिटी हॉल के सामने लगाया गया। उस पर सिंटी और रोमा को ले जाने के आदेश की पहली पंक्ति खुदी थी। जनवरी 1995 में नाम वाले लोगों के लिए पहले पत्थर लगाए गए।

13,000

अक्टूबर 2007 तक लगे पत्थर, 280 से ज़्यादा शहरों में

26

2021 तक पत्थरों वाले देश, Romea के अनुसार

100,000

मई 2023 तक लगे पत्थर, Wikipedia के अनुसार

बहुत से हाथों की परियोजना

कोई भी पत्थर के लिए अनुरोध कर सकता है। अनुरोध स्थानीय समूहों, परिवारों, इतिहासकारों या स्कूलों से आता है। छात्र और शिक्षक अक्सर पता लगाते हैं कि कौन कहाँ रहता था। हर पत्थर का ख़र्च दान से चलता है, और हर पत्थर हाथ से बनता है।

डेमनिग ने ज़्यादातर पत्थर ख़ुद लगाए हैं। वे वहाँ मौजूद रहना चाहते हैं। वे आने वाले लोगों से बात करते हैं, और हर पत्थर को ध्यान से लगाते हैं। नाम पढ़ने के लिए आपको सिर झुकाना पड़ता है।

26 मई 2023 को 100,000वाँ पत्थर न्यूरेमबर्ग में योहान वाइल्ड नाम के एक दमकलकर्मी के लिए लगाया गया। हर शहर सहमत नहीं है। उदाहरण के लिए, म्यूनिख पत्थर स्वीकार नहीं करता। वह याद करने के दूसरे तरीक़े ढूँढता है।

कब क्या हुआ

- **1990** डेमनिग कोलोन में सिंटी और रोमा के 1940 के निर्वासन का रास्ता रंगते हैं।
- **1992** पहला स्टोल्परश्टाइन कोलोन के सिटी हॉल के सामने लगता है।
- **1995** कोलोन में नाम वाले लोगों के लिए पहले पत्थर लगते हैं।
- **2007** 280 से ज़्यादा शहरों में 13,000 से ज़्यादा पत्थर लग चुके हैं।
- **2023** 100,000वाँ पत्थर न्यूरेमबर्ग में लगता है।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

यह स्मारक किसी संग्रहालय में नहीं है। आप इसे संयोग से, अपने पैरों के पास पाते हैं।

इसकी शुरुआत एक पड़ोसी के एक संदेह भरे वाक्य से हुई, और उसे चलने न देने के फ़ैसले से।

हमारी राय

डेमनिग ने भुलाए जाने को एक छोटी, रोज़ की याद में बदल दिया, एक-एक नाम के साथ।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 जो चौंकाए उसे सुनिए

एक बुज़ुर्ग महिला के संदेह ने उन्हें दिखाया कि कितना कुछ भुला दिया गया है।

यह आज़माएँ: इस हफ़्ते कोई एक टिप्पणी नोट कीजिए जिसने आपको चौंकाया। पूछिए कि उसके पीछे क्या है।

2 याद को निजी बनाइए

हर पत्थर एक व्यक्ति और उसके रहने की जगह का नाम बताता है।

यह आज़माएँ: किसी एक व्यक्ति का नाम और कहानी जानिए, सिर्फ़ कोई संख्या नहीं।

3 काम दूसरों को अपना बनाने दीजिए

कोई भी पत्थर के लिए अनुरोध कर सकता है, और स्कूल और परिवार अक्सर खोजबीन करते हैं।

यह आज़माएँ: अपनी परियोजना ऐसे बनाइए कि दूसरे लोग जुड़ सकें और उसके हिस्से सँभाल सकें।

4 विचार को छोटा और साफ़ रखिए

दस सेंटीमीटर चौड़ी एक पट्टी दुनिया भर का स्मारक बन गई।

यह आज़माएँ: अपने विचार को ऐसी एक सरल चीज़ में समेटिए जिसे लोग देख या छू सकें।

साथ ले जाने वाली एक बात

जहाँ कभी कोई रहता था वहाँ रखा एक नाम किसी अजनबी को सड़क पर रोक सकता है।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

Stolpersteine in Berlin
Art Project Stolpersteine

Stolpersteine (official project site)
Frequently asked questions

Romea.cz
Gunter Demnig marked the Nazi deportation route of thousands of Roma and Sinti from Cologne, Germany, then invented the Stolpersteine (2021)

Wikipedia
Stolperstein

तथ्य-जाँच नोट: चारों स्रोत मुख्य कहानी पर सहमत हैं और कुछ ब्योरों में अलग हैं। कोलोन में पहली पेंट-रेखा: बर्लिन के Stolpersteine कहते हैं कि डेमनिग ने मई 1940 में 1,000 सिंटी और रोमा के निर्वासन को चिह्नित करने के लिए 1990 में सफ़ेद घरेलू पेंट इस्तेमाल किया; Romea.cz कहता है कि उन्होंने 6 मई 1990 को एक ख़ास बनाया हुआ पहिया इस्तेमाल किया और शब्द “Eine Spur durchs Vergessen” देता है; आधिकारिक FAQ कहता है कि उन्होंने 1991 में एक रंग-रेखा बनाई; कहानी 1990 और “पेंट का पहिया” कहती है। जिस बुज़ुर्ग महिला को शक था कि उनके मोहल्ले में सिंटी या रोमा रहे थे, वह आधिकारिक FAQ, बर्लिन के Stolpersteine और Romea.cz में है; आधिकारिक FAQ और Romea.cz कहते हैं कि उसने परियोजना की सराहना की। पहला पत्थर: 16 दिसंबर 1992 को कोलोन के सिटी हॉल के सामने, हाइनरिख़ हिमलर के आदेश की पहली पंक्ति के साथ, बर्लिन के Stolpersteine, Romea.cz और Wikipedia में है। नाम वाले लोगों के लिए पहले पत्थर: बर्लिन के Stolpersteine कहते हैं जनवरी 1995 कोलोन में, Wikipedia कहता है जनवरी 1995, और Romea.cz कहता है 4 जनवरी 1995 और जोड़ता है कि यह आधिकारिक अनुमति माँगे बिना किया गया; कहानी “जनवरी 1995” कहती है। पत्थरों की संख्या: अक्टूबर 2007 तक 280 से ज़्यादा शहरों में 13,000 और 26 मई 2023 को न्यूरेमबर्ग में योहान वाइल्ड के लिए 100,000वाँ पत्थर Wikipedia से हैं; Romea.cz 2021 में 26 देशों में लगभग 90,000 पत्थर कहता है; कहानी 26 देश Romea.cz के नाम और 100,000 Wikipedia के नाम करती है, और हम 100,000 के आँकड़े के लिए दूसरा स्रोत नहीं खोल सके। आकार (दस सेंटीमीटर), आख़िरी स्वेच्छा से चुना घर, शब्द “यहाँ रहते थे” और नाम “ठोकर का पत्थर” Wikipedia और आधिकारिक स्रोतों में हैं। कोई भी पत्थर माँग सकता है, और अनुरोध बाहर से आता है, यह आधिकारिक FAQ में है; छात्रों और शिक्षकों की खोजबीन और दान से पत्थरों का ख़र्च Wikipedia में है; हाथ से बने पत्थर Wikipedia और आधिकारिक FAQ में हैं। डेमनिग ज़्यादातर पत्थर ख़ुद लगाते हैं और वहाँ रहना चाहते हैं, यह Romea.cz और आधिकारिक FAQ में है; लोग नाम पढ़ने के लिए सिर झुकाते हैं, यह Romea.cz में है। तल्मूद का अंश, जैसा डेमनिग उद्धृत करते हैं, आधिकारिक FAQ और Romea.cz में है। म्यूनिख का पत्थर स्वीकार न करना Wikipedia में है। पत्थर नाज़ियों के सभी तरह के पीड़ितों के लिए हैं, ज़्यादातर यहूदी, जिनकी सूची छोटी कहानी नहीं देती; पूरी सूची Wikipedia देता है। हम DW, Guardian या Stolpersteine के होम पन्ने (404 या कोई सामग्री नहीं) नहीं खोल सके। पिन कोलोन दिखाता है। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।